कींस का तरलता अधिमान सिद्धांत
(KYENSE LIQUIDITY PREFERNCE THEORY OF INTEREST)

प्रतिपादक- लार्ड कीन्स

पुस्तक- "द जनरल थ्योरी ऑफ इंप्लायमेंट इंट्रेस्टेड एंड मनी"

ब्याज निर्धारण के मौद्रिक सिद्धांत - तरलता अभिमान सिद्धांत या तरलता पसंदगी सिद्धांत

इस सिद्धांत के अनुसार **"ब्याज मुद्रा की सेवाओं की कीमत है।"**

कीन्स के विचार में "ब्याज एक मौद्रिक क्रिया है क्योंकि मुद्रा की मांग और पूर्ति की सापेक्षिक शक्तियों द्वारा ब्याज का निर्धारण होता है।"

मुद्रा की पूर्ति देश में मुद्रा की परिचालन मात्रा तथा बैंक जमा पर निर्भर करती है मुद्रा की मांग मुद्रा की नकदी के रूप में रखने के लिए की जाती है।

कीन्स के अनुसार

ब्याज एक निश्चित समय के लिए तरलता परित्याग का पुरस्कार है

कीन्स के अनुसार मुद्रा को अनेक रूपों में रखा जा सकता है लेकिन नकद मुद्रा सबसे सरल रूप है क्योंकि नकद मुद्रा को किसी भी समय इच्छानुसार प्रयोग किया जा सकता है। इसीलिए उसने नकद मुद्रा को तरलता का नाम दिया

इस सिद्धांत के अनुसार ब्याज का निर्धारण मुद्रा की मांग तथा आपूर्ति के दौरान किया जाता है

मुद्रा की मांग (Demand for Money)

- कीन्स के अनुसार मुद्रा की मांग इसलिए की जाती है क्योंकि वह सबसे तरल संपत्ति है।
- प्रत्येक व्यक्ति अपनी संपत्ति को तरल रूप में रखना चाहता है इसलिए प्रत्येक व्यक्ति मुद्रा की मांग करता है, मुद्रा उधार देने में तरलता का प्रयोग करना पड़ता है।
- इस तरलता परित्याग के परिणामस्वरूप प्राप्त होने वाला पुरस्कार ब्याज कहलाता है।
- जितनी अधिक मुद्रा होंगी उतना ही अधिक पुरस्कार होगा जो कि लोगों को तरलता प्रक्रिया करने के लिए देना चाहिए

तरलता पसंदगी के कारण

सौदा उद्देश्य (Transactions Motive)

लोगों को आय एक निश्चित अवधि के पश्चात प्राप्त होती है, जबकि आवश्यकतायें निरंतर उत्पन्न होती रहती है। इसलिए तरलता के रूप में मुद्रा का रखना आवश्यक है मुद्रा की तरलता उपभोक्ता एवं व्यापारी दोनों के लिए समान रूप से अनिवार्य होती है।

दूरदर्शिता उद्देश्य (Precautionary Motive)

व्यक्ति आकस्मिक घटनाओं जैसे बिमारी, दुर्घटना, बेरोजगारी आदि के लिए भी मुद्रा को तरलता के रूप में रखना चाहता है। मुद्रा की यह राशि व्यक्तियों के स्वभाव तथा उनके आय स्तर पर निर्भर करती है।

कीन्स के अनुसार सौदा उद्देश्य एवं दूरदर्शिता उद्देश्य दोनों के लिए नकदी की मांग की आय पर निर्भर करती है

सट्टा उद्देश्य (Speculative Motive)

सट्टे का अर्थ होता है बाजार की अनिश्चितताओं से लाभ उठाना। व्यक्ति अपनी संपत्ति के एक भाग को तरल रूप में संचित कर भविष्य में अधिक ब्याज प्राप्त करने व अधिक लाभ कमाने की आशा रखते हैं। सट्टा उद्देश्य से मांग भविष्य में ब्याज दर की अनिश्चितता के कारण होती है

तरलता पसंदगी वक्र

ब्याज दर तथा मुद्रा की मांगी जाने वाली मात्रा के बीच सम्बन्ध को व्यक्त करता है, जों ब्याज दर और मांग के बिच विपरीत सम्बन्ध को बताता है।

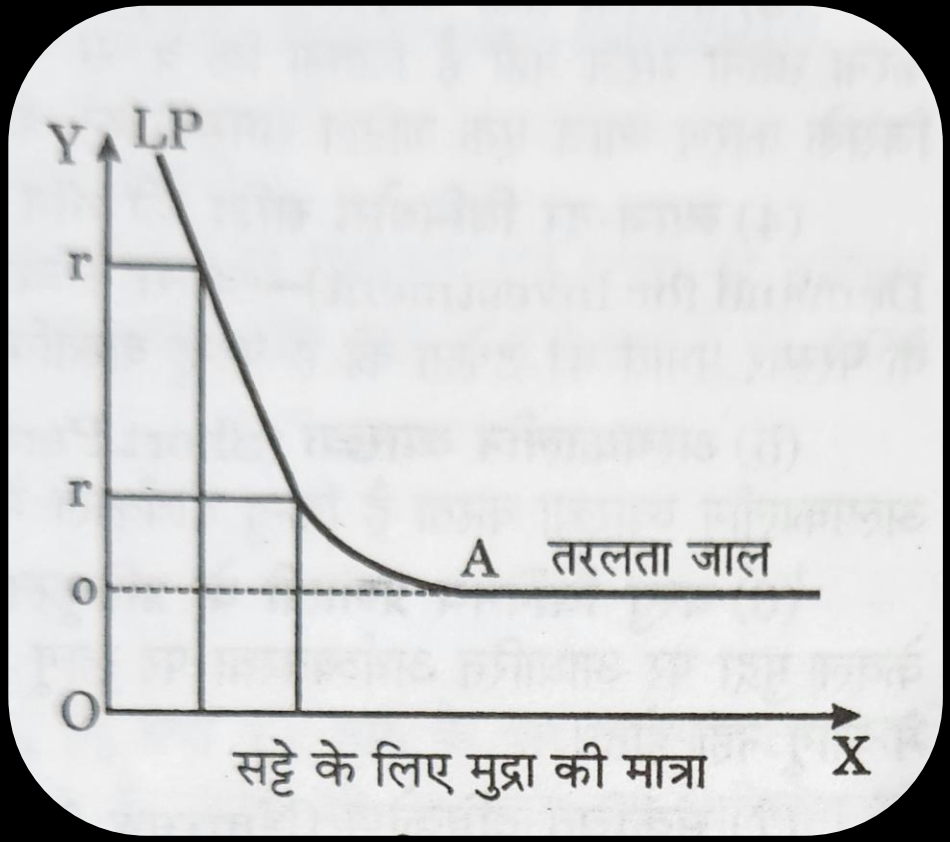

मुद्रा की पूर्ति

मुद्रा की पूर्ति में धात्विक मुद्रा, पत्र मुद्रा, साख मुद्रा आदि को सम्मिलित किया जाता है। मुद्रा की पूर्ति जितनी अधिक होगी ब्याज की दर उतनी ही कम होगी तथा मुद्रा की पूर्ति जितनी ही कम होगी ब्याज की दर उतनी ही ऊंची होगी।

किसी भी अर्थव्यवस्था में मुद्रा की पूर्ति पर सरकार का नियंत्रण रहता है स्थिति एक निश्चित समय अवधि में मुद्रा की पूर्ति स्थिर रहती है

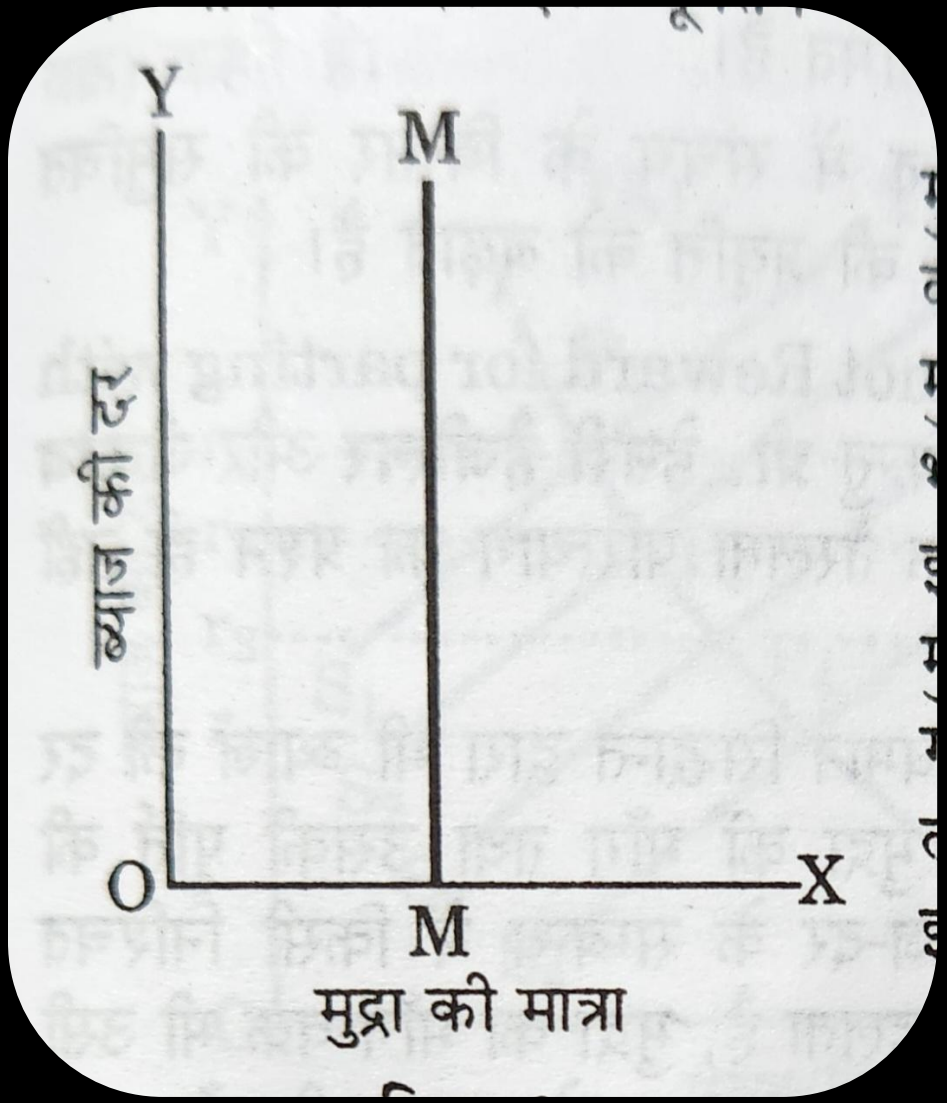

ब्याज दर का निर्धारण

कीन्स के अनुसार ब्याज की दर मुद्रा की मांग तरलता पसंदगी तथा मुद्रा की पूर्ति पर निर्भर करती है ब्याज दर और मुद्रा की तरलता पसंदगी में विलोम संबंध परंतु मुद्रा की पूर्ति स्थिर रहती है

इसलिए जिस ब्याज दर पर मुद्रा की तरलता पसंदगी मुद्रा की पूर्ति के बराबर होती है, वहाँ ब्याज दर निर्धारित हो जाती है

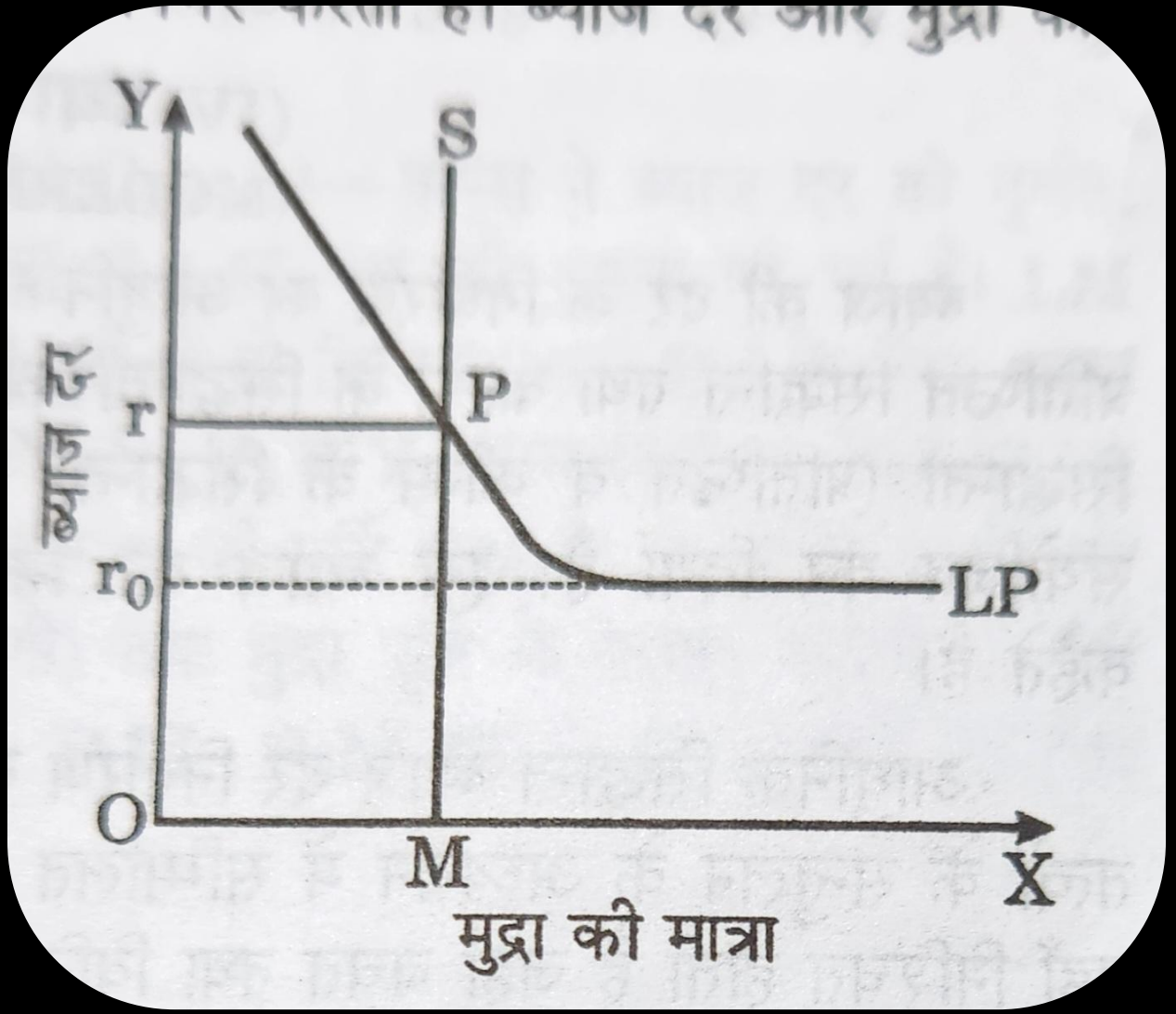

आलोचनायें

गैर मौद्रिक तत्वों की उपेक्षा

कीन्स ने ब्याज को मौद्रिक घटना माना है परंतु ब्याज दर को अन्य मौद्रिक घटना जैसे उत्पादकता तथा मितव्ययिता त्याग भी प्रभावित करते हैं।

एक पक्षीय

कीन्स का सिद्धांत एकपक्षीय है इसमें मांग पर ही अधिक ज़ोर दिया गया है

ब्याज दर विनियोग राशि की मांग से स्वतंत्र नहीं

कीन्स ने ब्याज की दर को विनियोग राशि से स्वतंत्र माना है और इन दोनों की परस्पर प्रभाव की वे करती है परंतु वास्तविक संसार में ब्याज की दर विनियोग राशि से प्रभावित होती है

वस्तु विनिमय प्रणाली के प्रतिकूल

ये सिद्धांत केवल मुद्रा पर आधारित अर्थव्यवस्था पर लागू होता है ये सिद्धांत वस्तु विनिमय पर आधारित अर्थव्यवस्था में लागू नहीं होता

संकुचित दृष्टिकोण

वास्तव में मुद्रा की तरलता पसंदगी अनेक बातों पर निर्भर करती है ना कि केवल तीन उद्देश्यों पर।

व्यास तरलता के प्रत्येक पुरस्कार

कीन्स ने ब्याज को तरलता प्रत्येक पुरस्कार माना है परंतु प्रो. हेनरी हैजीलर का कहना है जब तक मुद्रा का संग्रह ना किया जाए तब तक तरलता पसंद प्रत्येक का प्रश्न ही नहीं उठता